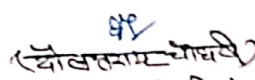
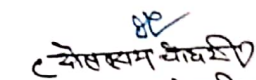


तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
11/2/21	<p>वकुलायत डप उपय पर बदन हेतु एक कवसर कोर चाहे है अमित कवसर दिया जाता है। पत्रावली दिनांक 11/2/21 को पेश है।</p> <p style="text-align: right;">SDO Subject</p>	
11/2/21	<p>वकुलायत उपस्थित। अज श्रीमान पीठासीन अधिकारी महोदय अन्य राजकीय कार्यों में व्यस्त/अपघ/अवकाश पर है। अतः पेशी इत्यादि होकर पत्रावली दिनांक 11/2/21 को पेश है।</p> <p style="text-align: right;">रीडर उप सप्ल अधिकारी एवं उप सप्ल मजिस्ट्रेट, सोनत</p>	
22/2/21	<p>वकुलायत उपस्थित। अज श्रीमान पीठासीन अधिकारी महोदय अन्य राजकीय कार्यों में व्यस्त/अपघ/अवकाश पर है। अतः पेशी इत्यादि होकर पत्रावली दिनांक 22/2/21 को पेश है।</p> <p style="text-align: right;">रीडर उप सप्ल अधिकारी एवं उप सप्ल मजिस्ट्रेट, सोनत</p>	
25/2/21	<p>वकुलायत डप उप पर बदन हेतु एक कवसर कोर चाहे है अमित कवसर दिया जाता है। पत्रावली दिनांक 10/3/21 को पेश है।</p> <p style="text-align: right;">SDO Subject</p>	
10/3/21	<p>वकुलायत डप वदन आधिकारिता प्राप्ति व अपघर्षी संख्या 1 से 4 सूची गति व समाप्त की गई। आधिकारिता प्राप्ति के अर्थनापत्र अन्तर्गत चारा 312 P.T. वि. वि. प्रमाणिका इन अपघ कर देना दिया की अरुद मोजा सोनत-वक उपय के रिबॉल्ट संश्लेषण के पुनः आकाश नम्बर 111/26 संख्या 2025 है। अतः माई हुई रिपोर्ट है, इतर अर्थ प्राप्ति व अपघर्षी संख्या 3 व 4 के विता लक्षण की, निराधारी नारायण जी, पीरान सीमीया जातिजवाली की आधिकारिता एवं कवसर कायदा की माई हुई रिपोर्ट है। संश्लेषण के दौरान रिबॉल्ट संश्लेषण के पुनः आकाश नम्बर 111/26 के नये आकाश नम्बर 1543 संख्या 0.25 है। तथा ख.न. 1544 संख्या 0.0200 है। एवं ख.न. 1546 संख्या 0.1000 है। अतः उक्त प्रमाणिका पुनः ख.न. 111/26 लक्षण नारायण, निरवादी पीरान सीमीया जोषी के नाम आधिकारिता कायदा</p>	<p>10/3/21</p> <p>2</p> <p>11/2/21</p>

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मध्य इतिहास तथा जज	जज या तारीख अहकाम जो हुकम की तारीख से जारी हुए
	<p>युक्त है। विराधा कागि का जजमर वह मरिजु किमत कावर उचित सामने है</p> <p align="center">-: आदेश :-</p> <p>अह. इपेसल विवेचन विरलेकज के अहकाम पर प्रतीक्षा प्रकृत उक्त प्रथम पर अन्तर्गत २०१२ मध्यमन का लखी इतिहास १९९९ का माकीन बसरीन व घोडगीप नही होने से मरिजु किया जाता है परलखी उजाय इमाट लेकट नखर ले कम हो बाद हकमिल जल्लर कावेर कहर/ लेखन प्रणजान जयर हो</p> <p align="right">  (बोसलखाम घोडगी) </p> <p align="right"> उप मुख प्राधिकारी, मोरार </p> <p>निर्णय आज दिनांक १०/०९/२०१५ को अरे जिलाज कायर जल्ल मेरे हय विवेचनय जल्लकायल</p> <p align="right">  (बोसलखाम घोडगी) </p> <p align="right"> उप मुख प्राधिकारी, मोरार </p>	